मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 4

BHDC–103

बी. ए. (ऑनर्स) हिन्दी (बी. ए. एच. डी. एच.)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2024

बी.एच.डी.सी.-103 : आदिकालीन एवं मध्यकालीन हिन्दी कविता

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *कुल* ***पाँच*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए।* ***पहला*** *प्रश्न अनिवार्य है।*

---

1. निम्नलिखित काव्यांशों में से किन्हीं **तीन** की सन्दर्भ सहित व्याख्या कीजिए : 12×3=36

(क) माधव, तोहें जनु जाह विदेस।
हमरो रंग रभस लए जएबह
लएबह कौन संदेश॥
बनहि गमन करु होएति दोसर मति
बिसरि जाएब पति मोरा।

हीरा मनि मानिक एको नहिं माँगब

फेरि माँगब पहु तोरा॥

जखन मगन करु नयन नीर भरु

देखहु न भेल पहु ओरा।

(ख) दुलहनीं गाबहु मंगलचार।

हम घरि आये हो राजा राम भरतार॥

तन रत करि मैं मन रति करि, पंचतत्व बराती।

रामदेव मोरे पाँहुनै आये, मैं जोबन मैं माती।

सरीर सरोबर बेदी करिहूँ, ब्रह्म वेद उचार।

रामदेव संगि भाँवरि लैंहूँ, धनि धनि भाग हमार॥

सुर तेतीसूँ कौतिक आये, मुनियर सहस अठ्यासी।

कहैं कबीर हम ब्याहि चले, पुरिष एक अनिवासी॥

(ग) सगुनहि अगुनहि नहिं कछु भेदा।

गावहिं मुनि पुरान बुध बेदा॥

अगुन अरूप अलख अज जोई।

भगत प्रेम बस सगुन सो होई॥

जो गुन रहित सगुन सोइ कैसें।

जलु हिम उपल बिलग नहीं जैसे॥

जासु नाम भ्रम तिमिर पतंगा।

तेहि किमि कहिअ बिमोह प्रसंगा॥

(घ) मैया बहुत बुरौ बलदाऊ।

कहन लग्यौ बन बड़ौ तमासौ, सब मौड़ा मिलि आऊ॥

मोहूँ कौं पुचकारि गयौ लै, जहाँ सघन बन झाऊ।

भागि चलौ कहि गयौ उहाँ तैं, काटि खाइ रे हाऊ॥

हौं डरपौ अरु रोवौं, कोउ नहिं धीर धराऊ।

थरसि गयौं नहिं भागि सकौं, वै भागै जात अगाऊ॥

मोसौं कहत मोल कौ लीनौ, आपु कहावत साऊ।

सूरदास बल बड़ौ चवाई, तैसेहिं मिले सखाऊ॥

(ङ) गोरी सोवे सेज पर मुख पर डारे केस

चल खुसरो घर आपने रैन भई चहुँ देश।

खुसरो रैन सोहाग की, जागीं पी के संग

तन मेरो मन पीऊ को दोऊ भए एक रंग।

2. अमीर खुसरो की मुकरियों की विशिष्टताओं पर प्रकाश डालिए। 16

3. विद्यापति के काव्य-सौंदर्य के विविध पक्षों को रेखांकित कीजिए। 16

4. कबीर के काव्य-सौंदर्य पर प्रकाश डालिए। 16

5. जायसी के काव्य में चित्रित लोक-जीवन के विभिन्न पक्षों का उल्लेख कीजिए। 16

6. सूरदास की भक्ति की विशिष्टताओं का उल्लेख कीजिए। 16

7. 'रामचरितमानस' के महत्व पर प्रकाश डालिए। 16

8. रहीम के काव्य की प्रासंगिकता पर विचार कीजिए। 16

9. "मीराबाई की भक्ति अनुभवजन्य है।" इस कथन पर अपने विचार प्रकट कीजिए। 16

10. बिहारी एवं घनानंद के काव्य-सौंदर्य की विवेचना कीजिए। 16